

डॉ. जॉन ओसवाल्ट, यशायाह, सत्र 23, ईसा। 47-48

© 2024 जॉन ओसवाल्ट और टेड हिल्डेब्रांट

यह यशायाह की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. जॉन ओसवाल्ट हैं। यह सत्र संख्या 23, यशायाह अध्याय 47 और 48 है।

आइए प्रार्थना से शुरुआत करें। हमारे पिता, हमें दिए गए आपके सभी उपहारों के लिए हम आपको धन्यवाद देते हैं। आप एक उदार भगवान हैं। आप देते हैं और देते हैं और देते हैं।

हम अपने भौतिक जीवन के लिए आपको धन्यवाद देते हैं। उन जीवनों के समर्थन में आप हमें जो कुछ भी देते हैं, उसके लिए हम आपको धन्यवाद देते हैं, सूरज, हवा, पानी, भोजन, वे सभी चीजें जो आप हमें देते हैं, और हम आपको धन्यवाद देते हैं। हम आपको धन्यवाद देते हैं, प्रभु, कि आपने हमें सबसे बड़ा उपहार, प्रभु यीशु, दिया है।

हम आपको धन्यवाद देते हैं, प्रभु यीशु, कि आपके माध्यम से, हमें अनन्त जीवन मिलता है, एक ऐसा जीवन जो अभी शुरू होता है और हमेशा-हमेशा तक चलता रहता है। धन्यवाद। हमें क्षमा करें जब हम आपके उपहारों का लाभ उठाते हैं, जब हम उन्हें हल्के में लेते हैं, जब हम ऐसा व्यवहार करते हैं जैसे कि हम किसी तरह स्वतंत्र थे।

हमें क्षमा करें प्रभु। हमें याद दिलाएं कि हम शारीरिक, आध्यात्मिक, भावनात्मक, हर संभव तरीके से पूरी तरह से निर्भर हैं, और फिर हमें खुशी के साथ अपनी निर्भरता के ज्ञान में जीने में मदद करें। धन्यवाद।

हम आज शाम हमारे अध्ययन को आशीर्वाद देने के लिए फिर से आपके पास आए हैं। जब हम पवित्रशास्त्र के इन अंशों को देखें तो हमारी सहायता करें। हमें समझने, बूझने, लेकिन सबसे बढ़कर, उन्हें अपने जीवन में लागू करने में मदद करें।

हमें उस व्यक्ति की तरह न बनने में मदद करें जिसके बारे में पॉल ने बात की थी जो दर्पण में देखता है और खुद को देखता है और फिर चला जाता है और भूल जाता है। हे प्रभु, हमें अपने आप को आपके वचन के दर्पण में देखने और जो हमने देखा है उसके प्रकाश में जीने में मदद करें। आपके नाम पर, हम प्रार्थना करते हैं, आमीन।

हम आज रात अध्याय 47 और 48 को देख रहे हैं, जो इस खंड, ग्रेस मोटिव फॉर सर्वेटहुड का निष्कर्ष है। अब, यदि आपको याद हो, तो मैंने कहा था कि अनुभाग वास्तव में, या विभाजन, वास्तव में अध्याय 40 से 55 है, जिसमें 40 परिचय के रूप में है। अध्याय 49 से 55 तक अनुग्रह पर चिंतन जारी है।

लेकिन अब, अनुग्रह को विशेष रूप से सेवकाई के साधन के रूप में देखा जाता है। इसलिए, यह खंड विशेष रूप से भगवान द्वारा अपने लोगों को चुनने के बारे में बात कर रहा है। उसने उन्हें त्यागा नहीं है।

सिर्फ इसलिए कि वे निर्वासन में चले गए हैं इसका मतलब यह नहीं है कि उन्हें त्याग दिया गया है। वास्तव में, भगवान ने उन्हें अपने विशेष सेवकों के रूप में चुना है, और उसने उन्हें इस मामले में मूर्तियों के खिलाफ अपने गवाहों के रूप में इस्तेमाल किया, अपने जीवित सबूत के रूप में कि वह भगवान है और मूर्तियां कुछ भी नहीं हैं। तो वह अनुग्रह, चुने जाने का अनुग्रह, वह अनुग्रह जिससे उन्हें डरने की ज़रूरत नहीं है, वह अनुग्रह उन्हें सेवा करने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

अब अध्याय 47 और 48 में जिसे हम आज रात देख रहे हैं, हम इन विचारों को दो फोकस के साथ निष्कर्ष पर लाते हैं। अध्याय 47 बेबीलोन पर केंद्रित है। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि केवल यहोवा ही परमेश्वर है, हम बाबुल से और उसके विषय में क्या कहें? और फिर हम परमेश्वर के लोगों से क्या कहें? तो आज शाम के हमारे अध्ययन के लिए ये दो फोकस हैं।

हम बाबुल से क्या कहें? और हमने सृष्टिकर्ता, मुक्तिदाता, बिना किसी प्रतिद्वंद्वी के एकमात्र ईश्वर के रूप में यहोवा के बारे में जो सीखा है, उसके आलोक में हम ईश्वर के लोगों से क्या कहेंगे? इन सबके आलोक में, हम इन दो समूहों से क्या कहेंगे? तो, 47 1 से 4 में, पहले जो कहा गया है उसके आलोक में बेबीलोन को अपने सिंहासन से क्यों उतरना पड़ेगा? पहले क्या कहा गया है जिसके कारण बेबीलोन सिंहासन से उतर गया? ठीक है। बेबीलोन की मूर्तिपूजा के प्रति प्रतिबद्धता थी। हाँ, बेबीलोन के देवता बोझिल और अप्रभावी हैं, ठीक कहा गया है।

हाँ, उसके देवताओं ने उसे विफल कर दिया है। उसने अपना पद, अपना सिंहासन इस विचार पर बनाया है कि हमारे पास दुनिया में सबसे शक्तिशाली देवता हैं और वे देवता उसके लिए बेबीलोन के सिंहासन को सुरक्षित करने जा रहे हैं और तथ्य यह है कि वे देवता बेकार हैं। वे असहाय हैं।

और इसलिए सिंहासन रेत पर बनाया गया है, यहां तक कि रेत पर भी, और बेबीलोन को सिंहासन से उतरना होगा। रानी की जगह बेबीलोन क्या बनने जा रही है? एक गुलाम। हां हां।

अब तुम कोमल और नाजुक नहीं कहलाओगे। चक्की ले जाओ और आटा पीस लो. अपना पर्दा हटाओ, अपना बागा उतारो, अपने पैर उघाड़ो, और नदियों के बीच से चलो।

तुम्हारी नग्नता उजागर हो जायेगी. आपकी बेइज्जती देखी जायेगी. इसके आगे।

तो वह रानी के बजाय दासी बन जाती है। यह एक ऐसा विषय है जिसे हमने इस पुस्तक में देखा है। जब भी हम स्वयं को ऊँचा उठाते हैं, तो अपरिहार्य परिणाम क्या होता है? अपमान.

हम वास्तव में खुद को अपमानित करते हैं। हमने इसे अध्याय 2 में देखा, जहां कहा गया है कि राष्ट्र हथियारों से भरा है, राष्ट्र धन-दौलत से भरा है, राष्ट्र मूर्तियों से भरा है, और वास्तव में, राष्ट्र खाली है। वे वह सारा सामान फेंक देंगे और चट्टानों की गुफाओं में चले जायेंगे और उनसे उन्हें ढकने की प्रार्थना करेंगे।

मुझे आश्चर्य है कि क्या वास्तव में जॉन द रिक्लेटर के मन में यह बात थी जब वह पृथ्वी के राजाओं के बारे में बोलता है। पहाड़ों को अपने ऊपर गिरने का आह्वान कर रहे हैं। जब हम उसे देखते हैं जो वास्तव में महान है और उसकी तुलना उस चमकी से करते हैं जिससे हम अपने आप को लपेटे हुए हैं, तो परिणाम केवल शर्मिंदगी ही होगी।

यहां तो यह फिर से है। अपने आप को ऊंचा उठाओ और तुम अपमानित होओगे। प्रभु के सम्मान में सबसे निचला स्थान लें और वह हमें ऊपर आकर अपने साथ सिंहासन पर बैठने के लिए आमंत्रित करता है।

जीतने वाले हारते हैं, हारने वाले जीतते हैं। बाइबल इससे भरी हुई है और यहाँ यह फिर से है। हमने पिछले सप्ताह प्रतिशोध और प्रतिशोध के बारे में थोड़ी बात की, लेकिन आइए उस पर विचार करें।

और यदि आप श्लोक 6 को देखते हैं, तो आप थोड़ा और अधिक देखते हैं कि क्या हो रहा है। प्रतिशोध और प्रतिशोध में क्या अंतर है? यह एक अच्छी शुरुआत है। प्रतिशोध दूसरे के प्रति किए गए पापों की सज़ा मात्र है।

बदला उस व्यक्ति को बदला चुकाने का एक स्वार्थी प्रयास है जिसने मुझे चोट पहुंचाई है। बदला लेना खतरनाक क्यों है? ठीक है। यह बहुत अच्छी तरह से एक निरंतर गिरावट के चक्र का कारण बन सकता है जहां दूसरे व्यक्ति को अब मुझे वापस भुगतान करना होगा।

मुझे लगता है कि मैंने इसे आपके साथ पहले भी साझा किया होगा यदि ऐसा है, तो मुझे क्षमा करें। इंटरनेशनल हेराल्ड ट्रिब्यून का एक यहूदी पत्रकार आठ साल तक लेबनान में रहा और उसने अपने अनुभवों के बारे में एक किताब लिखी। उन्होंने कहा कि खासकर मुस्लिम जगत में बदले की भावना का चक्र इसी तरह चलता है।

तुम मेरी उंगली तोड़ दो, मैं तुम्हारी कलाई तोड़ दूंगा। तुम मेरी कलाई तोड़ दो, मैं तुम्हारी बांह तोड़ दूंगा। तुम मेरी बांह तोड़ दो, मैं तुम्हारी गर्दन तोड़ दूंगा। तुम मेरी गर्दन तोड़ दो, मैं तुम्हारा सिर तोड़ दूंगा। तुम मेरा सिर फोड़ दो, मैं तुम्हारी पत्नी को मार डालूंगा। तुम मेरी पत्नी को मार डालो, मैं तुम्हारे बच्चों को मार डालूंगा। तुम मेरे बच्चों को मार डालो, मैं तुम्हारे राष्ट्र को नष्ट कर देता हूँ। वहाँ है। मुझे नहीं लगता कि यह केवल मुस्लिम बात है।

यदि मुझे वास्तव में अपनी स्वयं की वापसी करनी है, तो मैंने बुराई के चक्र में कदम रखा है। और कब आप उस चक्र से बाहर निकल जाएं, इसका कोई पता नहीं चलता। दूसरी चीज़ जो खतरनाक है वह यह है कि जो कुछ भी मेरे लिए किया जाता है उसका इतिहास हमेशा खतरनाक होता है।

इसकी खतरनाक पृष्ठभूमि है क्योंकि यह मेरी स्वयं को विकसित करने की आवश्यकता से उत्पन्न होती है, इसलिए यदि यह विफल हो जाता है तो मैं स्वयं नीचे आ गया हूँ और मुझे इसे बनाने के लिए किसी अन्य तरीके से कड़ी मेहनत करनी होगी। और यदि यह सफल हो जाता है तो मैं फूल

जाता हूँ और यह अच्छी खबर नहीं है। यही कारण है कि रोमियों अध्याय 13 में प्रभु कहते हैं, पलटा लेना मेरा काम है।

मैं चुका दूँगा. हाँ, और इस पुस्तक में प्रतिशोध शब्द एक दर्जन से अधिक बार आता है। भगवान कहते हैं कि बदला अवश्य मिलेगा।

वे इससे दूर नहीं जाने वाले हैं। लेकिन तुम इसे मेरे हाथ में छोड़ दो। और तुम स्वच्छ हो जाओगे।

आपने इसे स्वार्थी उद्देश्यों के लिए नहीं किया होगा। आपने स्वयं को ऊँचा उठाने के लिए ऐसा नहीं किया होगा। आपने इसे मेरे हाथ में छोड़ दिया होगा और परिणाम अच्छा परिणाम होगा।

तो, प्रतिशोध का कारण श्लोक 6 में है। मैं अपने लोगों पर क्रोधित था। मैंने अपनी विरासत को अपवित्र किया। मैंने उन्हें तुम्हारे हाथ में दे दिया।

परन्तु तुमने उन पर कोई दया नहीं दिखायी। युग युग में तू ने अपना जूआ बहुत भारी कर लिया। पुस्तक में अन्यत्र, भगवान कहते हैं, हाँ, हे मेरे लोगों, मेरा हाथ तुम पर भारी रहा है।

लेकिन यह उन लोगों पर होने वाले प्रभाव की तुलना में कुछ भी नहीं है जिन्होंने आपको दंडित करने में अपने दायित्व से अधिक काम किया है। ठीक है। श्लोक 4 क्यों? ऐसा लगता है कि यह वहीं लटका हुआ है।

श्लोक 1, 2, और 3 इस तथ्य के बारे में बात करते हैं कि वह रानी से दासी बनने जा रही है। फिर आप पद 5 और 6 और 7 में उसे फिर से उठाते हैं जैसे भगवान बेबीलोन को संबोधित करते हैं। तो श्लोक 4 क्या कर रहा है? यह वहाँ क्यों है? ठीक है, यह याद दिलाता है कि कौन अभिनय कर रहा है और वह कौन है? उसके बारे में क्या कहा जाता है? तीन बातें।

वह क्या है? एक मुक्तिदाता. सर्वशक्तिमान और शाब्दिक रूपक सेनाओं का प्रभु है। स्वर्ग की सेनाओं का स्वामी।

जिसके पास सारी शक्ति है. और तीसरी चीज़ क्या है? इस्राएल का पवित्र। अब इस समय वे तीन बातें क्यों कहें? उसे हमारे इस भाषण में क्यों शामिल करें? लेडी बेबीलोन.

ठीक है, ठीक है. मुक्तिदाता प्रतिशोध लाता है। मेरा मतलब है, अपने लोगों को बंधन से बाहर निकालने के लिए उसे जो कुछ भी करना होगा वह करेगा।

दोहराव. वह एक है। यह भगवान की पुष्टि कर रहा है, हाँ।

ठीक है ठीक है। यह हमें याद दिला रहा है कि यह कौन कर रहा है। वह हमें छुड़ाने जा रहा है।

उसके पास ऐसा करने की लौकिक शक्ति है। और वही वह है जिसने इस्राएल पर अपना पवित्र चरित्र प्रकट किया है। और वह इस संदर्भ में ऐसा करना जारी रख रहे हैं।

बेबीलोन ने स्वयं को पवित्र के विरुद्ध खड़ा कर दिया है। वह पवित्र व्यक्ति जिसने स्वयं को इस्राएल को समर्पित कर दिया है। यह काफी खतरनाक है।

ठीक है। 47, पांच से नौ. हम पहले ही श्लोक छह के बारे में बात कर चुके हैं।

और मेरा प्रश्न यह था कि क्या ईश्वर केवल अन्यायपूर्ण दण्ड के कारण बेबीलोन का न्याय कर रहा है? श्लोक सात और आठ को देखें। हाँ, यहाँ यह फिर से है। मैं संसार का शासक हूँ।

मैं जो चाहता हूँ वो कर सकता हूँ। हमेशा के लिए। हाँ, अपने आप को उससे ऊँचा समझते थे जितना उन्हें होना चाहिए।

और कितना ऊँचा? श्लोक आठ को देखें। मैं हूँ और मेरे अतिरिक्त कोई नहीं है। क्या हमने वह वाक्यांश पहले कहीं देखा है? उत्तर हाँ।

हमने इसे कहां देखा है? हमने इसे 45, 46 में देखा है। 45 के श्लोक 18 को देखें। सबसे अंतिम कथन।

मैं यहोवा हूँ। मैं वही हूँ जो मैं हूँ। और कोई दूसरा नहीं है।

अध्याय 45 श्लोक 21. मुझे धर्म उद्धारकर्ता और परमेश्वर से बढ़कर कोई दूसरा परमेश्वर नहीं है। मेरे बगल में कोई नहीं है।

47, 47, 10 में श्लोक 10 के अंत को फिर से देखें। यह फिर से वहीं है, है ना? मैं हूँ और मेरे अतिरिक्त कोई नहीं है। आप अपने ऊपर यह अहंकार नहीं कर सकते कि जो कुछ केवल ईश्वर का है, उससे आप जीवित रह सकते हैं।

दरअसल, हर इंसान अपनी आत्मा की गहराई में यही कहता है। मैं हूँ। और कोई नहीं है।

अब हम इसे ज़ोर से नहीं कहते, क्योंकि यह सभ्य नहीं है। लेकिन ऑपरेशन के मामले में, गिरा हुआ इंसान कहता है, मैं वहाँ अकेला हूँ। और अपने जीवन की रक्षा के लिए, अपने जीवन का विस्तार करने के लिए, अपने जीवन को आराम और आनंद से भरने के लिए मुझे जो कुछ भी करना है, वह सही है।

सवाल? तो, ईश्वर से प्रेम करें और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करें, क्या यह बिल्कुल विपरीत होगा? सीधा विपरीत, सीधा विपरीत। तो वह इतनी बड़ी सज़ा क्यों देती है? क्योंकि मैं हूँ और मेरे अतिरिक्त कोई नहीं है। मैं जो चाहता हूँ वो कर सकता हूँ।

और मुझे कोई नहीं रोक सकता। विचार यह है कि एक ईश्वर है जो इन लोगों के प्रति जो कुछ भी मैं करता हूँ उसके लिए मुझे जवाबदेह ठहराएगा जिन्हें उसने मेरे हाथों में सौंपा है। और मैंने आपको पहले भी कहा है, मैं इसे फिर से कहूँगा क्योंकि आप भूल जाएंगे, वह रवैया कि, नहीं,

मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए जो मुझे लगता है कि यह मेरे हाथों में सौंप दिया गया है क्योंकि एक भगवान है जो रखता है मैं जो करता हूँ उसके लिए मैं जवाबदेह हूँ।

यह प्रभु का भय है। प्रभु का भय मेरे आसपास नहीं घूम रहा है, मुझे आश्चर्य है कि वह मुझे अगला वार कहां करेगा। वह हमारा भगवान नहीं है।

वह हमारा भगवान नहीं है। प्रभु का भय कहता है, निश्चित ही, मेरी बेटी इतनी बड़ी नहीं है कि मुझे रोक सके। और मुझे उसके साथ सेक्स करने का मन हो रहा है।

प्रभु का भय कहता है, हे यूहन्ना, वह बालक तुझे भरोसे के लिये सौंपा गया है। वह आपकी नहीं है कि आप उसका उपयोग स्वयं को बढ़ाने या अपनी वासनाओं को संतुष्ट करने के लिए करें। आप उसके लिए जिम्मेदार हैं।

और मैं एक दिन आपसे हिसाब माँगने जा रहा हूँ कि आपने उस जिम्मेदारी को कैसे निभाया। ओह, यह प्रभु का भय है। अपना जीवन इस ज्ञान के साथ व्यतीत करें कि आप भगवान नहीं हैं और एक भगवान है जो आपको जो कुछ दिया है उसके लिए आपको जवाबदेह बनाता है।

ओह, हमें प्रभु के भय से उबरने की कितनी सख्त जरूरत है। ठीक है। तो, मैं वहां 47 के तहत दूसरे नंबर पर हूँ, पांच से नौ तक।

मैंने आपको कुछ अन्य सन्दर्भ दिये हैं जहाँ ईश्वर कहता है कि वह है और कोई नहीं है। हम उन्हें देखने में समय नहीं लगाएंगे, लेकिन वे वहां मौजूद हैं। और निस्संदेह, समस्या यह है कि बेबीलोन ने अपने बारे में वही कहा है जो केवल ईश्वर ही कह सकता है।

ठीक है, आइए श्लोक नौ को देखें। वह बाबुल से कहता है, ये दोनों वस्तुएं एक ही दिन में एक क्षण में तुम्हारे पास आ जाएंगी। आपके अनेक जादू-टोने और आपके मंत्रों की महान शक्ति के बावजूद, बच्चों की हानि और वैधव्य आप पर पूरी तरह से आएंगे।

ठीक है, आइए अब एक से आठ तक 54 श्लोकों पर नजर डालें। जो भगवान का निमंत्रण है। गाओ, हे बांझ, जो सह न सकी।

गायन में आगे बढ़ो और जोर से रोओ। यहोवा का यही वचन है, कि जिस ने कभी उस उजड़ी हुई स्त्री के बालकोंके लिथे प्रसव पीड़ा न उठाई हो, उस ब्याही हुई स्त्री के बालकोंसे भी बढ़कर ठहरोगे। अपने तम्बुओं का स्थान बढ़ाओ।

तुम्हारी बस्तियों के परदे फैले रहें। पीछे मत हटो. अपनी रस्सियों को लंबा करो, अपने खूंटों को मजबूत करो।

क्योंकि तू दहिनी और बाईं ओर परदेश में फैल जाएगा। तेरे वंश के लोग अन्यजातियों और लोगों के अधिकारी होंगे, और लोग उजाड़े हुए नगरों के अधिकारी होंगे। मत डर, क्योंकि तुझे लज्जित न होना पड़ेगा।

भ्रमित न हो, क्योंकि तुम अपमानित न होओगे। यह रहा। क्योंकि तू अपनी जवानी की लज्जा, और अपने वैधव्य की नामधराई भूल जाएगी।

तू फिर स्मरण न करेगी, क्योंकि तेरा रचनेवाला तेरा पति है। सेनाओं का यहोवा उसका नाम है। इस्राएल का पवित्र, तुम्हारा उद्धारकर्ता।

सारी पृथ्वी का परमेश्वर उसे कहा जाता है। क्योंकि यहोवा ने तुझे उस स्त्री के समान बुलाया है जो त्यागी हुई और मन में दुःखी हो, वा जवानी की स्त्री के समान जो त्याग दी गई हो। थोड़ी देर के लिए मैंने तुम्हें छोड़ दिया, लेकिन बड़ी करुणा के साथ, मैं तुम्हें इकट्ठा करूंगा।

एक महिला की वह तस्वीर जो पहले अपने बच्चों को खोती है और फिर अपने पति को, दोहरी वीरानी की तस्वीर है क्योंकि वह और बच्चे पैदा नहीं कर सकती। उसने अपने सभी बच्चों को खो दिया है, और उसने आगे की आशा भी खो दी है। और इसलिए इजराइल को लगता है कि उसके साथ ऐसा हुआ है।

और परमेश्वर कहता है, नहीं, यह बेबीलोन के साथ होने वाला है। और आप, आपके इतने अधिक बच्चे होंगे कि आप नहीं जान पाएंगे कि क्या करना है। क्यों? क्योंकि तेरा पति यहोवा है।

तो बस दोनों की बिल्कुल 180-डिग्री भिन्न तस्वीर। इस्राएल जो सोचता है कि उस पर क्या बीती है, वास्तव में वही बाबुल पर पड़ेगी। बेबीलोन वैसे ही विलुप्त हो जाएगा जैसे वह था।

लेकिन इजराइल, वास्तव में, स्वर्ग के सितारों और समुद्र तट की रेत तक विस्तार करने जा रहा है। भगवान अपना वादा निभाते हैं। आगे बढ़ते हुए, 47, 10 से 15।

और आपको श्लोक 9 से वह अंतिम वाक्यांश चुनना होगा। मनुष्य हमेशा जादू से क्यों प्रलोभित होते हैं? क्योंकि उन्हें लगता है कि यह जादू है, हाँ। हेरफेर और नियंत्रण करने की शक्ति, और एक और बात, बिना किसी व्यक्तिगत प्रतिबद्धता के। आप सीखें कि यह कैसे करना है।

और इसमें आपको कुछ भी खर्च नहीं करना पड़ेगा. आपको अपने आप को लाइन में लगाने की ज़रूरत नहीं है। इसलिए जादू हमेशा, हमेशा हमारे लिए एक प्रलोभन होता है।

और फिर, यदि आपने 75 साल पहले कहा होता कि जादू, जादू-टोना और जादू-टोना अमेरिकियों के लिए तेजी से आकर्षक होता जा रहा होता, तो लोग अदालत के बाहर आपका मजाक उड़ाते। नहीं, नहीं, हम इसके लिए बहुत होशियार हैं। हम जानते हैं कि चीजें काम नहीं करतीं।

बिलकुल नहीं। लेकिन हमें वह सब कुछ मिल गया जो हम चाहते थे, और यह पर्याप्त नहीं है। और इसलिए, पूर्वजों की तरह, हम कह रहे हैं, हम्म, हेरफेर करने के लिए एक आध्यात्मिक दुनिया होनी चाहिए।

हमने सोचा कि भौतिक दुनिया में हेरफेर करके हम वह सब कुछ पा सकते हैं जो हम चाहते हैं। और हमें यह मिल गया। लेकिन साबुन के बुलबुले की तरह, जब हमने उसे पकड़ा तो वह फूट गया और हमारे हाथों पर कीचड़ रह गया।

कुछ और भी होना चाहिए. तो, पद 10 के अनुसार, बाबुल को किस चीज़ ने गुमराह किया? बुद्धि और ज्ञान. तो, क्या ईश्वर सीखने का विरोध करता है? नहीं।

नहीं? अच्छा तो फिर, यहाँ क्या हो रहा है? हम सीखने को हम पर नियंत्रण करने देते हैं। हम सीखने को हम पर नियंत्रण करने देते हैं। मम-हम्म.

और क्या? खैर, यह इस पर निर्भर करता है कि आप क्या सीख रहे हैं। यह इस पर निर्भर करता है कि आप क्या सीख रहे हैं। हाँ।

वे जिस विद्या में लगे थे वह गुप्त विद्या थी, जैसा कि अगले श्लोक स्पष्ट करते हैं। अहां। विस्फोटक बनाना सीखना जरूरी नहीं कि अच्छी बात हो।

तो, जब हम सीखने को खुद पर नियंत्रण करने देते हैं, जब हमारी सीख वह होती है जो आशीर्वाद के बजाय विनाशकारी होती है, तो और क्या है? सीखना अपने आप में एक उपकरण के रूप में साध्य बन जाता है जिसका उपयोग हम स्वयं को ऊँचा उठाने के लिए कर सकते हैं। हाँ। हाँ।

हाँ। जब सीखना एक उपकरण है जिसके द्वारा हम ईश्वर को अधिक पूर्ण रूप से प्रसन्न कर सकते हैं, और अधिक गहराई से उसकी सेवा कर सकते हैं, तो सीखना एक अद्भुत चीज़ है। और भगवान हमें उससे जुड़ने के लिए आमंत्रित करते हैं।

सीखने के उस महान व्यवसाय में। लेकिन यह आश्चर्यजनक है, यह आश्चर्यजनक है कि कितनी आसानी से सीखना अपने आप में वह लक्ष्य बन सकता है जो फूल जाता है। यह लगभग हमेशा होता है, और मैं अपने पूरे जीवन में शिक्षा रैकेट में रहा हूँ, यह लगभग हमेशा एक बड़ा मोहभंग होता है जब छात्र शिक्षा के ऊपरी स्तर पर पहुंचते हैं और पाते हैं कि वहां कोई आइवरी टावर नहीं है।

यह कुत्ता खाने वाला कुत्ता है. सीखना अपने आप में एक लक्ष्य बन जाता है जिसके द्वारा मैं खुद को फुलाता हूँ और आपको यह साबित करने की कोशिश करता हूँ कि मैं हूँ और मेरे अलावा कोई नहीं है। और उस स्तर पर सीखना उतना ही घातक है जितना आप कल्पना कर सकते हैं।

ठीक है। श्लोक 14. सीखना स्वयं क्या नहीं कर सकता? यह तुम्हें बचा नहीं सकता और यह तुम्हें आराम नहीं दे सकता।

हम्म। मैंने आपको पहले बताया है कि बुतपरस्तों ने भविष्य की भविष्यवाणी करने का प्राथमिक तरीकों में से एक शगुन के साथ किया था। शगुन एक संकेत है कि कुछ होगा या नहीं होगा।

और यह बलि के जानवर के जिगर का आकार हो सकता है। यह सितारों की स्थिति हो सकती है। यह पक्षियों की उड़ान हो सकती है।

ढेर सारी चीज़ें। बेबीलोन में शगुन ग्रंथों की 70 जिल्दें हैं। बेबीलोन में पीएचडी करने के बारे में सोचें।

वास्तव में, वास्तव में उज्ज्वल व्यक्ति। और निःसंदेह, उस समय प्रतिभाशाली लोग थे। वास्तव में, वास्तव में प्रतिभाशाली व्यक्ति इस चीज़ में इतना पारंगत हो सकता है कि वह कह सके, हाँ, मैं आपको अध्याय और पद्य तक ले जा सकता हूँ।

तेरी विद्या और तेरी बुद्धि ने तुझे भटका दिया है। तुमने अपनी सारी बुद्धि ग़लत चीज़ में खर्च कर दी। कितना दुखद है।

तो, पद 13. आप अपनी अनेक युक्तियों से थक गए हैं। उन्हें आगे आकर तुम्हें बचाने दो।

जो आकाश को विभाजित करते हैं, जो तारों को देखते हैं, जो नये चाँद पर बताते हैं कि तुम्हारे पास क्या आने वाला है। देखो, वे खूँटी के समान हैं। आग उन्हें भस्म कर देती है।

वे स्वयं को ज्वाला की शक्ति से नहीं बचा सकते। खुद को गर्म करने के लिए यह कोई कोयला नहीं है। आगे बैठने के लिए आग नहीं है।

ऐसे ही वे लोग हैं जिनके साथ तुमने परिश्रम किया है। आपने अपना जीवन झूठे आधार पर बनाया है। मैं हूँ, और मेरे बगल में कोई नहीं है।

और आपने उस ज्ञान और सीख से उस आधार का समर्थन किया जो खोखला और बेकार था। और परिणाम यह है कि तुम्हें अपने सिंहासन से उतरकर गुलाम बनना होगा। अब याद रखो, इस्राएल, वे गुलाम हैं।

वे वही हैं जो चक्की पर काम कर रहे हैं। वे वही हैं जो नदी में कपड़े धोने के लिए अपनी स्कर्ट को कमर के चारों ओर लपेटते हैं। सोचो, सोचो उन लोगों पर इस अध्याय का क्या प्रभाव पड़ा होगा।

क्या? बाबुल ही हमारे साथ ऐसा कर रहा है। और बेबीलोन को यहाँ आकर हमारे साथ जुड़ना होगा? हमारा मुक्तिदाता, सेनाओं का यहोवा, इस्राएल का पवित्र ऐसा कहता है। बेबीलोन के अधिकांश इतिहास में, इज़राइल या यहूदा 586 में बंदी बना लिया गया था।

उस 30 वर्षों के दौरान, सिंहासन पर बैठा रहा। तभी नबूकदनेस्सर के लटकते बगीचे बनाए गए। प्राचीन विश्व के सात आश्चर्यों में से एक।

विशेषकर उन 30 वर्षों के दौरान, यह अध्याय चौंकाने वाला रहा होगा। क्या? नहीं, नहीं, बेबीलोन नहीं।

जैसा कि डेनियल ने देखा, क्षमा करें, सुनहरा साम्राज्य। लेकिन भगवान ने यह कहा. और ऐसा हुआ.

ठीक है, आइए अध्याय 49 को देखें। क्षमा करें, 48। क्या किसी ने अपना होमवर्क किया? इस अध्याय में सुनने के लिए शब्द कितनी बार आए हैं? कितने? 10, बिलकुल ठीक.

सहमत होना? अहां। हम उसकी बात मानेंगे. श्लोक एक.

यह सुनकर। श्लोक छह. तुमने सुना है।

श्लोक आठ. आपने कभी नहीं सुना होगा. श्लोक 12.

मेरी बात सुनो, हे जैकब। श्लोक 16. मेरे निकट आओ।

यह सुनकर। इत्यादि। क्या आपको लगता है कि भगवान कोई बात कहने की कोशिश कर रहे होंगे? यह पुनरावृत्ति क्यों? तो हम और अधिक सीखेंगे, ठीक है?

उह. क्षमा? आत्मविश्वास और आश्वासन. स्मरण.

क्षमा? स्मरण. अगर मैं अपने बच्चे से कहूं तो मेरी बात सुनो। इससे क्या पता चलता है? वे सुन नहीं रहे हैं.

वे ध्यान नहीं दे रहे हैं. हाँ। कुंआ।

मेरा एक मित्र अपने बेटे से निपटने के बारे में बात कर रहा था जिसे काफी गंभीर एडीएचडी है। ऐसा कहा, शाम को वह ऊपर जाने वाला है। मैं कहता हूँ, मेरी तरफ देखो.

क्या आप मेरी ओर देख रहे हैं? नंबर एक, मेरे बाद दोहराएँ। मैं अपने दाँत ब्रश करूँगा. मेरे बाद दोहराएँ।

मैं अपने दाँत ब्रश करूँगा. ठीक है। आप सबसे पहला काम क्या करने जा रहे हैं? अब आप दूसरा काम क्या करने जा रहे हैं? तुम अपने कपड़े उतारोगे.

ध्यान की कमी वाला कोई व्यक्ति। इन लोगों के पास यही था। हा, हा, हा.

मेरी बात सुनो। मेरी बात सुनो। ध्यान दो यहाँ।

सुनो मैं क्या कह रहा हूँ. अब फिर से याद रखें कि मैंने इस स्थिति के बारे में आपसे क्या कहा था। उनकी सारी उम्मीदें खत्म हो गयीं.

वे अपने बारे में जो कुछ भी मानते थे वह सब झूठा साबित हुआ है। हम भगवान के लोग नहीं हैं. हम चुने हुए नहीं हैं.

हम विशेष रूप से धर्मी नहीं हैं। हम भगवान के पसंदीदा नहीं हैं। पूर्ण, पूर्ण निराशा।

इसलिए, भगवान को उनका ध्यान वापस दिलाना होगा। विशेषकर कुछ आश्चर्यजनक बातों के लिए जो वह कहना चाहता है। अब यहां पहला मुद्दा देखिए।

श्लोक एक और दो. समस्या क्या है? भगवान से कोई रिश्ता नहीं है. भगवान से कोई रिश्ता नहीं है.

उनका रिश्ता पूरी तरह से सतही है। वे यहोवा के नाम की शपथ खाते हैं। वे इस्राएल के परमेश्वर को स्वीकार करते हैं, परन्तु सत्य या सही रूप में नहीं।

वे अपने आप को पवित्र नगर के अनुसार कहते हैं, और इस्राएल के परमेश्वर पर स्थिर रहते हैं। यदि उद्धार आता है तो वे उसके लिए किस पर निर्भर हैं? वे ईश्वर और अपने अतीत के साथ अपने सतही संबंध पर निर्भर हैं। अब मैं मेथोडिस्ट हूं इसलिए बात कर सकता हूं।

लेकिन वहाँ बहुत सारे लोग हैं जो पहले मेथोडिस्ट हैं और बाद में ईसाई हैं। मुझे संदेह है कि यह कुछ अन्य संप्रदायों के लिए भी सच है। लेकिन ये सतही तरह की बात है।

आप सड़क पर जाते हैं और किसी से कहते हैं, क्या आप ईसाई हैं? यह अब बदल रहा है और बहुत तेजी से बदल रहा है। लेकिन दस साल पहले तक, लगभग हर कोई कहता था, हाँ, मैं ईसाई हूँ। मतलब मैं हिंदू नहीं हूँ, मैं बौद्ध नहीं हूँ, मैं यहूदी नहीं हूँ, मैं मुसलमान नहीं हूँ।

तो, मुझे लगता है कि मैं ईसाई हूँ। यहाँ भी कुछ वैसा ही है। खैर, हम यहूदी हैं।

हम यहूदी हैं. और यशायाह कहता है, तो क्या? इससे ईश्वर या बेबीलोनियों के साथ कोई मतभेद नहीं होने वाला है। मेरी बात सुनो।

तो, वह कहते हैं, ठीक है, मुझे यहां एक और प्रश्न पूछने दीजिए। यदि न तो यहूदा का अच्छा व्यवहार और न ही उनका स्पष्ट पश्चाताप यहोवा को दयालु बनाएगा, तो क्या होगा? भगवान का अपना चरित्र. अनुग्रह उसके हृदय से आता है।

यह हमारे पश्चाताप से उत्पन्न नहीं होता है। वह यह नहीं कहता, ठीक है, मैं वास्तव में तुम्हें माफ़ नहीं करना चाहता, लेकिन चूँकि तुम स्पष्ट रूप से पश्चाताप कर रहे हो, मुझे लगता है मुझे करना होगा। कभी नहीं।

कभी नहीं। उनकी कृपा निःशुल्क है. उनकी कृपा स्वतः उत्पन्न होती है।

उनकी कृपा हमारे किसी भी कार्य पर निर्भर नहीं करती। मुझे याद है कि मूसा ने ईश्वर से कहा था, इन लोगों को नष्ट मत करो, नहीं तो दुनिया तुम पर हंसेगी। हां।

मुझे लगता है उसने कुछ गड़बड़ कर दी है. उसने किया। हाँ।

मिस्री कहेंगे, कि तू ने उन लोगोंको नाश करने के लिये छुड़ाया। और आपने मूसा को यह कहते हुए सुना है, और मैं सहमत हूँ, वे विनाश के लायक हैं। लेकिन, तुम उस तरह के आदमी नहीं हो।

हां। ठीक है। जोर लगाओ।

श्लोक तीन से आठ तक. उनका कहना है कि मैंने इन चीजों की भविष्यवाणी पहले ही कर ली थी। अब, उसने ऐसा क्यों किया? एक मिनट रुको।

हाँ। हाँ। ठीक है, जब हम सुनना बंद कर देंगे तो वह हमें याद दिला सकता है।

वे सुन सकते हैं और उस पर कार्य कर सकते हैं, यदि वे कार्य करना चुनते हैं तो उन्होंने क्या करने के लिए कहा है। यदि वे चाहें तो वे इसे सुन सकते हैं और उस पर कार्रवाई कर सकते हैं। मम-हम्म, मम-हम्म।

वह यहाँ श्लोक पाँच में क्या कहता है? हाँ। हाँ। तो, वह कहते हैं, अगर मैंने आपको यह सब पहले से नहीं बताया होता, और ऐसा हुआ, तो आप कहेंगे, अरे, मेरे आदर्श ने, जिसे मैंने हेरफेर किया था, उसने मेरे लिए यह किया।

भगवान कहते हैं, मैंने तुम्हें ऐसा होने से पहले ही बता दिया था, इसलिए तुम ऐसा नहीं कह सके। यह आपके किसी भी कृत्य के कारण नहीं हुआ। श्लोक सात में, वह कहते हैं, और अब मैं नई चीजें कर रहा हूँ।

वे अभी बनाए गए हैं, बहुत समय पहले नहीं। क्रिएट शब्द का उपयोग करने का क्या महत्व है? देवताओं के बारे में हमारी चर्चा याद है? भगवान मनुष्यों द्वारा बनाये गये हैं। भगवान मनुष्यों द्वारा बनाए गए हैं, और वे बनाए नहीं गए हैं, वे बनाए गए हैं।

भगवान कुछ भी नहीं बना सकते. सृजन का अर्थ कुछ बिल्कुल नया बनाना है जो पहले कभी अस्तित्व में नहीं था। देवता प्राकृतिक व्यवस्था का हिस्सा है जो हमेशा अस्तित्व में है, ऐसा प्रतीत होता है और हमेशा मौजूद रहेगा।

इस दुनिया में कुछ भी नया नहीं है। परन्तु यशायाह कहता रहा है, परमेश्वर सृष्टिकर्ता है। वह इस प्राकृतिक व्यवस्था से बाहर है।

उन्होंने इस सिस्टम को बिल्कुल नया बनाया है और वह इसमें बिल्कुल नए काम कर सकते हैं। बिल्कुल नई चीजों में से एक वह है जो साइरस करने जा रहा था। जहां तक हम असीरियन इतिहास में जा सकते हैं, असीरियन ईसा पूर्व 12 और 1300 के दशक से निर्वासन का अभ्यास कर रहे थे।

कभी-कभी यह कहा जाता है कि मूसा निर्वासन की भविष्यवाणी नहीं कर सकता था, जो उसने व्यवस्थाविवरण की पुस्तक में किया था, क्योंकि कोई भी इसका अभ्यास नहीं कर रहा था। खैर, असीरियन इसका अभ्यास कर रहे थे। मुझे नहीं लगता कि मूसा को अश्शूरियों के बारे में पता होगा, लेकिन फिर भी, यह विचार कि यह इतना अजीब विचार है, किसी ने कभी इसके बारे में सोचा भी नहीं होगा।

जहाँ तक हम जा सकते हैं, असीरियन निर्वासन का अभ्यास कर रहे थे। बेबीलोनियों ने इसे अश्शूरियों से प्राप्त किया। तो, हमारे लिए, 1300 ईस्वी से, कम से कम 700 वर्षों तक। 1300 ईस्वी से ये बात चली आ रही है।

और फ़ारसी सम्राट साइरस ने आकर पूरी चीज़ से छुटकारा पा लिया। बहुत खूब। बहुत खूब।

बस 700 साल की मिसाल ली और उसे खिड़की से बाहर फेंक दिया। फारसियों ने निर्वासन का अभ्यास नहीं किया। और कुसू ने कहा कि कोई भी बंदी राष्ट्र घर जा सकता है और उसका खजाना उनके मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए भुगतान करेगा।

भगवान ने एक बिल्कुल नई चीज़ बनाई। अब, यह पद 9 में है। परमेश्वर ने अपना क्रोध क्यों टाल दिया? अपने ही खातिर. वे इसके लायक नहीं थे।

उन्होंने इसे अर्जित नहीं किया. वे अन्य लोगों की तुलना में अच्छे नहीं थे. उसने ऐसा अपने स्वार्थ के लिए किया।

अब, हम कभी-कभी इसे स्वार्थी समझ सकते हैं। खैर, मैंने यह अपने लिए किया। स्पष्ट रूप से, जब आप इसे बाइबल के संदर्भ में रखते हैं, तो ईश्वर इस तरह प्रेरित नहीं हुआ।

लेकिन वह कह रहे हैं, मैं इसे अपने चरित्र, अपने स्वभाव की अभिव्यक्ति के रूप में कर रहा हूँ। इसलिए नहीं कि आपने इसे अर्जित किया है। ठीक है।

श्लोक 12. यह फिर से है। मैं वह हूँ।

अनी कौन? और ग्रीक संस्करण ईगो एएम है। मैं हूँ। अवधि।

मैं पहला हूँ। मैं आखिरी हूँ. और बीच में सब कुछ.

मैं हूँ। मेरे हाथ ने पृथ्वी की नेव डाली। मेरे दाहिने हाथ ने आकाश को फैला दिया।

जब मैं उन्हें बुलाता हूँ तो वे एक साथ खड़े हो जाते हैं।' तुम सब इकट्ठे हो जाओ और सुनो। वह एक मुद्दा बनाने की कोशिश कर रहा है।

तो फिर, यह वास्तव में देवताओं के विरुद्ध उस मामले का सारांश है। मैंने चीजों के घटित होने से बहुत पहले ही उनकी भविष्यवाणी कर दी थी और वे सच हो गईं। कोई भगवान ऐसा नहीं कर सकता।

तो, पद 17, एक बार फिर, आपका उद्धारकर्ता, इस्राएल का पवित्र, यहोवा यों कहता है। मुक्तिदाता और पवित्र व्यक्ति यहाँ पूरे रास्ते एक साथ चलते हैं। वह जो करना चाहता है वह करने में सक्षम है।

वह छुटकारा पाना चाहता है, और पवित्र व्यक्ति के रूप में, वह ऐसा करने में सक्षम है। वह समय और स्थान में सेंध लगा सकता है और अपने उद्देश्यों के लिए चीजों को बदल सकता है। मैं यहोवा, तुम्हारा परमेश्वर हूँ, जो तुम्हें लाभ के लिये शिक्षा देता हूँ, जो तुम्हें उस मार्ग में ले जाता हूँ जिस पर तुम्हें चलना चाहिए।

ओह, काश तुमने मेरी आज्ञाओं पर ध्यान दिया होता। हाँ, ऐसा लगता है मानो यीशु यरूशलेम पर रो रहा हो। अगर वे सुन लेते तो क्या होता? शेष श्लोक 18 और 19 को देखें।

तेरी शान्ति नदी के समान होती, तेरा धर्म समुद्र की लहरों के समान होता, तेरे वंशज बालू के समान होते। और आखिरी चीज़ क्या है? आपका नाम नहीं कटेगा। दूसरे शब्दों में, इनमें से कुछ भी नहीं हुआ होता।

ओह, तुमने सुन लिया था. अध्याय की शुरुआत कैसे हुई? श्लोक 1, सुनो. तो, श्लोक 20 और 21 क्या कहते हैं? तैयार हो जाओ।

गाते हुए बाहर जाओ. फिर, उनके दिल उनसे क्या कहते हैं? उनके दिल उनसे कहते हैं, बस जाओ, अच्छे बेबीलोनियन बनो, हार मान लो, असफल विश्वास, और भगवान क्या कहते हैं? घर जाने के लिए तैयार हो जाओ. शांत मत हो जाओ.

एक अच्छे बेबीलोनवासी मत बनो। उस कथित असफल विश्वास को मत छोड़ो। वास्तव में, दिखावटी बातें करना बंद करें और अपने विश्वास के प्रति गंभीर हो जाएं।

इस अध्याय में वह यही कहना चाह रहा है। बेबीलोन की मूर्तिपूजा की मूर्खता के प्रकाश में, इस निश्चितता के प्रकाश में कि बेबीलोन आपकी कल्पना से भी जल्दी गिरने वाला है, सुनो। तुमने पहले नहीं सुना और देखो क्या हुआ।

ओह, अब सुनो, अभी सुनो। 586, 50 वर्ष होने जा रहे हैं। 556, 25 वर्ष होने जा रहे हैं।

कोई बात नहीं। शांत मत हो जाओ. एक अच्छे बेबीलोनवासी मत बनो।

सच्चा विश्वास मत छोड़ो. सुनना। मुझे लगता है कि भगवान हमसे यही कह रहे हैं।

हम देखते हैं कि उत्तर अमेरिकी ईसाई धर्म में तेजी से गिरावट आ रही है और यह बहुत आसान है। भगवान कहते हैं मेरी बात सुनो, सुनो, सुनो। मेरे पास योजनाएं हैं।

मैं चीजें पूरी करने जा रहा हूँ. मैं चीजें करने जा रहा हूँ. आज डॉक्टर के कार्यालय से एक टाइम पत्रिका उठाई।

यह इस तथ्य पर टिप्पणी कर रहा है कि आज, मुझे नहीं पता कि मुझे अपने नंबर सही मिले हैं, लेकिन मुझे लगता है कि मैं सही हूँ। आज, अमेरिका में 80% लैटिनो स्वयं को रोमन कैथोलिक के रूप में पहचानते हैं। वर्तमान दर पर, 2025 तक, 20% रोमन कैथोलिक होंगे।

और 50% प्रोटेस्टेंट इवेंजेलिकल होंगे। इतनी तेजी से बदलाव हो रहा है. भगवान की योजना है.

एकमात्र सवाल यह है कि क्या हम ध्यान देंगे? सुनना।

चलिए प्रार्थना करते हैं। धन्यवाद भगवान। धन्यवाद कि बेबीलोन तुम्हारे सामने खड़ा नहीं हो सकता। जगत के सब बाबुल चिल्लाते हैं, मैं हूँ, और मुझे छोड़ कोई नहीं। धन्यवाद कि वे सभी गिरने के लिए अभिशप्त हैं क्योंकि आप ही मैं हैं। केवल तुम ही मैं हो. आपकी प्रशंसा करता हूँ। आपकी प्रशंसा करता हूँ।

हे भगवान, हमें इस हद तक माफ कर दीजिए कि हम उन इस्राएलियों की तरह हो जाएं, जो इस बात पर गर्व करते हैं कि हम भगवान के हैं। जब यह सब सतही संबंध, दिखावटी सेवा है। हम पर दया करो, भगवान.

और फिर हमारी मदद करें. हमें बाइबल और चर्च के इतिहास के सभी सबूतों को याद रखने में मदद करें कि आप भगवान हैं और कोई दूसरा नहीं है। और जो कुछ तू ने अतीत में कहा है, उसे स्मरण करके अब जो तू कह रहा है, उस पर हमारे कान खोल दे।

हे भगवान, हमें सुनने में मदद करें, और हमारे लिए आपके पास जो कुछ भी है उसके लिए तैयार रहें। आपके नाम पर, हम प्रार्थना करते हैं। तथास्तु।

यह यशायाह की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. जॉन ओसवाल्ट हैं। यह सत्र संख्या 23, यशायाह अध्याय 47 और 48 है।